



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 577]
No. 577]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 9, 1996/आश्विन 17, 1918
NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 9, 1996/ASVINA 17, 1918

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) संशोधन विनियम, 1996)

मुम्बई, 9 अक्टूबर, 1996

का.आ. 202 (अ).—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 में संशोधन के लिए एतद्वारा निम्न विनियम बनाता है।

1. (i) इन विनियमों को भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) संशोधन विनियम, 1996 कहा जायेगा।

(ii) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन से प्रवृत्त होंगे।

2. विनियम 6 के उप विनियम (घ) में खण्ड (iii) के बाद एक नया खण्ड (iv) परन्तुक के साथ निम्नानुसार परिवर्धित किया जायेगा :

“(iv) विश्वविद्यालय निधि, विन्यास, प्रतिष्ठान या पूर्त न्यास या पूर्त सोसाइटी।

परन्तु यह कि खण्ड (iv) के अधीन आवेदकों से प्राप्त आवेदन पर विचार करते समय बोर्ड निम्न को ध्यान में रखेगा, अर्थात् :—

(क) क्या आवेदक कम से कम 5 वर्षों की अवधि से अस्तित्व में है;

(ख) क्या आवेदक को इसकी स्थापना या निगमन के देश के बाहर प्रतिभूतियों में विनिधान करने की वैध रूप से अनुमति है;

(ग) क्या आवेदक इनके निगमन या स्थापना के देश में किसी कानूनी प्राधिकरण में रजिस्ट्रीकृत है;

(घ) क्या आवेदक के खिलाफ किसी कानूनी प्राधिकरण द्वारा कोई विधिक कार्यवाही आरम्भ की गयी है।

3. विनियम 7 में, निम्नलिखित परन्तुकों को अन्त में रखा जायेगा :—

“परन्तु यह कि बोर्ड, किसी आवेदक, जैसे विश्व बैंक और सहायता उपलब्ध करवाने के लिए भारत के बाहर स्थापित अन्य संस्थाएं तथा जिन्हें केन्द्र सरकार द्वारा कर और शुल्कों के संदाय से उन्मुक्तियां और विशेषाधिकार स्वीकृत किये गये हैं, को फीस के संदाय से छूट दे सकेगा।

परन्तु यह और कि बोर्ड, संस्थाओं, जिन्हें ऊपर वर्णित परन्तुक द्वारा फीस के संदाय से छूट दी हुई है, से पहले से संग्रहित फीस का प्रतिदाय करेगा।

4. विनियम 15 के उप विनियम (1) के खण्ड (क) में “कंपनियों के वार्ट” शब्दों के बाद और “सूचीबद्ध” शब्द से पहले “असूचीबद्ध” शब्द रखा जायेगा।

5. विनियम 15 के उप विनियम (5) में “पांच” शब्द को “दस” शब्द से प्रतिस्थापित किया जायेगा।

6. विनियम 15 के उप विनियम (6) में “पांच” शब्द को “दस” शब्द से प्रतिस्थापित किया जायेगा।

7. पहली अनुसूची के प्रारूप क में विद्यमान अनुबंध के बाद, एक नया अनुबंध क निम्नानुसार परिवर्धित किया जायेगा:—

अनुबंध क

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थगत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 के विनियम 6 के उप विनियम (घ) के खण्ड (iv) के अधीन आवेदक द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले अतिरिक्त ब्यौरे :

1. कृपया उपदर्शित करें कि क्या आवेदक निम्न श्रेणियों में किसी एक या अधिक का अंग है :
विश्वविद्यालय निधि, विन्यास, प्रतिष्ठान या पूर्ण न्यास या पूर्ण सोसाइटी ।
2. कृपया आवेदक के प्रवर्तकों या आयोजकों, आवेदक के उद्देश्य, आवेदक द्वारा किये जाने वाले क्रियाकलापों के स्वरूप से संबंधित ब्यौरे दें और कथन करें कि क्या उसने देश के बाहर प्रतिभूति बाजार में विनिधान किया है, जिसमें वह निगमित या स्थापित है ।
3. कृपया कथन करें कि क्या आवेदक इसके निगमन या स्थापना के देश में किसी कानूनी प्राधिकरण में रजिस्ट्रीकृत है ।
4. कृपया रीति का वर्णन करें जिससे आवेदक की निधियों का प्रबंध किया जा रहा है ।
5. कृपया आवेदक के चार्टर अथवा निगमन या स्थापना के अन्य प्रलेखों की प्रति संलग्न करें ।

[फा. सं. भाप्रविबो/एल ई/10/0130/96]

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA
(Foreign Institutional Investors) Amendment Regulations, 1996**

Mumbai, the 9th October, 1996

S.O. 702 (E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) the Board hereby makes the following regulations to amend the SEBI (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995.

1. (i) These regulations may be called the SEBI (Foreign Institutional Investors) Amendment Regulations, 1996.
(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In sub-regulation (d) of Regulation 6, after clause (iii) a new clause (iv) along with a proviso shall be added as follows :—
"(iv) university fund, endowments, foundations or charitable trusts or charitable societies.

Provided that while considering the application from applicants under clause (iv) the Board may take into account the following, namely :—

- (a) whether the applicant has been in existence for a period of atleast 5 years;
- (b) whether it is legally permissible for the applicant to invest in securities outside the country of its incorporation or establishment;
- (c) whether the applicant has been registered with any statutory authority in the country of their incorporation or establishment;
- (d) whether any legal proceeding has been initiated by any statutory authority against the applicant.

3. In regulation 7, the following provisos shall be inserted at the end :—

"Provided that the Board may exempt from the payment of fees, an applicant such as the World Bank and other institutions established outside India for providing aid, and which have been granted privileges and immunities from the payment of tax and duties by the Central Government.

Provided further that the Board shall refund the fees already collected from the institutions which are exempted from the payment of fees by the proviso mentioned above."

4. In clause (a) of sub-regulation (1) of regulation 15 the word 'unlisted' be inserted after the words 'warrants of companies' and before the word 'listed'.
5. In sub-regulation (5) of regulation 15 the word 'five' shall be substituted by the word 'ten'.
6. In sub-regulation (6) of regulation 15 the word 'five' shall be substituted by the word 'ten'.
7. After the existing Annexure in Form A of First Schedule, a new Annexure A shall be added as follows:—

Annexure A

Additional details to be provided by applicants under clause (iv) of sub-regulation (d) of regulation 6 of the Securities and Exchange Board of India (foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 :

1. Please indicate whether the applicant belongs to any one or more of the following categories;
University funds, endowments, foundations or charitable trusts or charitable societies.
2. Please provide details of the sponsors or organisers of the applicant, the objectives of the applicant, the nature of activities carried on by the applicant and state whether it has invested in securities markets outside the country in which it has been incorporated or established.
3. Please state whether the applicant is registered with any statutory authority in the country of its incorporation or establishment.
4. Please describe the manner in which the funds of the applicant are being managed.
5. Please enclose a copy of the applicant's charter or other documents of incorporation or establishment.

[F. No. SEBI/LE/10/0130/96]

D. R. MEHTA, Chairman,
Securities and Exchange Board of India